शिमला से प्रकाशित

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक समाचार

प्रकाशन का 47 वां वर्ष

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक – 43 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजींकरण एच. पी./93 /एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 17 – 24 अक्तूबर 2022 मूल्य पांच रूपए

टिकट आवंटन पर उभरी बगावत ने बिगाड़ा भाजपा का खेल

- कई जिलों में खाता तक खोलना हो सकता है कठिन
- नड्डा जयराम के गृह जिलों में शान्त नहीं हो पायी बगावत
- धूमल परिवार को हाशिये पर धकेलना पड़ सकता है महंगा

शिमला/शैल। टिकट आवंटन के बाद जिस स्तर पर भाजपा

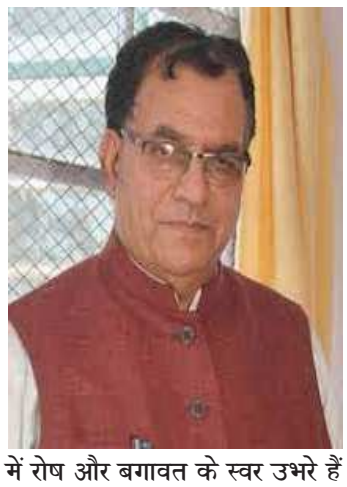

में रोष और बगावत के स्वर उभरे हैं उससे यह स्पष्ट हो गया है की सत्ता में वापसी करने और रिवाज बदलने के जितने भी दावे किये जा रहे थे वह सब न केवल हकीकत से कोसों दूर हो गये हैं। बल्कि पार्टी को दहाई का आंकड़ा लांघने के भी संकट पर खड़ा कर दिया है। क्योंकि टिकट आवंटन में पार्टी के अब तक के घोषित सारे बड़े सिद्धांतों की आहुति दे दी गयी है। जिस परिवारवाद को कांग्रेस के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में अब तक इस्तेमाल किया जा रहा था और उसी के आधार पर उपचुनाव में जिस चेतन बरागटा का टिकट काटा गया था अब उसी को टिकट देने की मजबूरी हो जाना इसका प्रमाण है। जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देना पड़ा है। ऐसे आधा दर्जन मामले हैं जहां पर परिवारवाद को प्राथमिकता दी गयी है। दो मंत्रियों सुरेश भारद्वाज और राकेश पठानिया के चुनाव क्षेत्र बदले गये। दोनों मंत्रियों के समर्थक इस पर रोष में हैं। सुरेश भारद्वाज के समर्थकों ने तो शिमला से उम्मीदवार बनाये गये संजय सूद के खिलाफ तो राम मंदिर ट्रस्ट से मुख्यमंत्री कोष में पैसा देने के मामले को सवाल बना कर उछाल दिया है। जबकि अब तक यह मामला राम मंदिर ट्रस्ट की चारदीवारी से बाहर नहीं निकला था। लेकिन अब यह चुनावी मुद्दा बना दिया गया है। ऐसे करीब डेढ़ दर्जन चुनाव क्षेत्र हैं जहां अपनों की बगावत व्यक्तिगत स्तर की अदावत तक पहुंच चुकी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के अपने जिला बिलासपुर और मण्डी में बगावत का जो स्तर सामने आया है उसने दोनों नेताओं की व्यक्तिगत स्वीकार्यता पर ही गंभीर प्रश्न खड़े कर दिये हैं। आज ही जो स्थिति बन चुकी है उसमें प्रदेश के आधे जिलों में तो पार्टी का खाता तक खुलने की संभावनाएं कठिन हो गयी हैं। इस बगावत को शान्त करने के लिये कई जगह आंसुओं का सहारा लेने का प्रयास किया गया है तो कई जगह इन आंसुओं ने आग में घी का काम किया है। 29 तारीख तक यह बगावत कितनी शान्त हो पाती है यह तो तभी पता चलेगा। लेकिन यह तय है कि इस बगावत में अभी तक जो कुछ बाहर आ गया है वही इस घर को जलाकर राख करने के लिये काफी है। क्योंकि कमान से निकले हुये तीर वापस नहीं आते हैं।

जिस स्तर तक यह बगावत पहुंच चुकी है शायद उसका पूर्वानुमान जयराम और नड्डा को या तो नहीं रहा है या फिर एक सोची – समझी योजना के तहत यह किया गया है। क्योंकि हिमाचल में सत्ता में वापसी कोई भी पूर्व मुख्यमंत्री नहीं कर पाया है। मीडिया मंचों से सौ – सौ

सर्वश्रेष्ठता के तमगे लेकर भी रिवाज नहीं बदल पाया है। क्योंकि सरकार बनने के बाद सत्ता में वापसी सरकार के कामकाज के आधार पर होती है। मीडिया के प्रमाण पत्रों पर नहीं। जयराम सरकार में तो मुख्यमंत्री का पद दायित्व से अधिक लग्जरी का माध्यम प्रचारित होकर रह गया। जनता को भले ही इसकी जानकारी

शेष पृष्ठ 8 पर.....

प्रदेश में आकार लेने से पहले ही क्यों बिखर गयी आम आदमी पार्टी

टिकट आवंटन में पैसे लेने के लगे आरोप

प्रदेश संभाल रहे दिल्ली के पेड कार्यकर्ता हुये गायब

शिमला/शैल। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में अप्रत्याशित जीत दर्ज करके जब हिमाचल का रुख किया था और भाजपा कांग्रेस का विकल्प होने का दावा किया था तब लगा था कि शायद इस बार सही में प्रदेश में तिकोना मुकाबला देखने को मिलेगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को प्रदेश का प्रभारी लगाया गया और जैन ने प्रदेश में पार्टी का आकार देने के लिए मेहनत भी की। केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर दो बार हिमाचल दौरे पर भी आ गये। बल्कि मण्डी के पहले दौरे के बाद ही हिमाचल के मणिकरण और फिर ज्वालामुखी तथा धर्मशाला स्थित विधानसभा परिसर पर खालिस्तानी नारे लिखे जाने और भिण्डरावाला के चित्र लगे वाहनों के प्रदेश में आने के प्रकरण घट गये। जिन पर आज तक आप के नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी है। इसी दौरान भाजपा और कांग्रेस से कुछ छोटे नेता और कार्यकर्ता आप में शामिल हुये लेकिन इसी पर जब अनुराग ठाकुर ने आप के तीन शीर्ष लोगों को तोड़कर रातों – रात दिल्ली में भाजपा में शामिल करवा दिया तो प्रदेश में आप पर कुछ ब्रेक लग गयी। फिर सत्येंद्र जैन को ही दिल्ली में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया और कुछ दिनों के लिये प्रदेश इकाई अनाथ होकर रह गयी। लेकिन इसी दौरान यह आरोप भी लग गया कि पार्टी टिकट बेचने में लग

शेष पृष्ठ 8 पर.....

राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर छात्र संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता की

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों के सफल भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण का दस्तावेज है। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में इस नीति के अंतर्गत कार्य करने का आहवान किया।

राज्यपाल आर्लेकर हिमाचल प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा राजकीय स्नातक महाविद्यालय, सोलन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर छात्र संवाद कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तृत चर्चा हुई है उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि देश के महाविद्यालयों में इस नीति को पूर्ण रूप से कार्यान्वित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इस दिशा में आगे बढ़ा जा सके। उन्होंने विद्यार्थियों और अध्यापकों से इस नीति पर खुले मन से विचार-विमर्श एवं वाद-विवाद करने को कहा।

आर्लेकर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्ण रूप से देश के शिक्षाविदों द्वारा तैयार किया गया है जो हमें हमारी जमीन से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि यह नीति दूसरी भाषा का विरोध नहीं करती, लेकिन यह मातृभाषा को अपनाने पर बल देती है, क्योंकि हमारी सोच, संस्कार,व्यवहार हमारी मातृभाषा से पूरी तरह से जुड़े हुए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति ने हमारी शिक्षा प्रणाली को सोचे समझे षडयंत्र के तहत नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से वर्तमान औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली को बदलने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वर्षो से हमारी शिक्षा नीति केवल नौकरी की चाह रखने वाले युवा तैयार कर रही थी। लेकिन अब नई शिक्षा नीति से ऐसी शिक्षा प्रणाली तैयार होगी जो युवाओं को स्वावलंबी और रोजगार प्रदाता बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर शोध गतिविधियां शुरू की गई हैं जिनसे महाविद्यालयों में छात्रों को शोध कार्य की सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार विविध सुविधाओं से युक्त संस्थान की स्थापना की गई है जिसमें विभिन्न संकाय उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इस नीति के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों के पास उनके 'अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' होंगे जिन्हें पंजीकृत किया जाएगा और विद्यार्थियों के लिए अलग से पोर्टल की सुविधा होगी।

राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी और अध्यापक नई शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख हितधारक हैं इसलिए परिषद् ने महाविद्यालयों में इसके प्रति जागरुकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस नीति के अंतर्गत शिक्षा ढांचे में परिवर्तन किया है जिसे देश के जाने-माने बुद्धिजीवी शिक्षाविदों द्वारा तैयार किया गया है। इसमें स्थानीय और क्षेत्रेय बोलियों/भाषाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विद्यार्थियों को संबंधित भाषाओं में पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

राजकीय महाविद्यालय, सोलन की प्रधानाचार्य डॉ. रीता शर्मा ने इस अवसर पर राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर परस्पर संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया। प्रो. राजेंद्र वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

उपायुक्त सोलन कृतिका कुल्हरी, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र शर्मा और जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रदेश के लोगों को दीपावली के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि प्रकाश का यह पर्व प्रसन्नता और बुराई पर अच्छाई तथा अंधकार पर उजाले की विजय का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि दीपावली पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लेकर आएगा।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि दीपावली पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में ज्ञानका प्रकाश फैलाएगा तथा आपसी स्नेह और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि दीपावली देश के प्रमुख त्यौहारों में से एक है जिसे सभी क्षेत्रों एवं धर्मो के लोग उत्साहपूर्वक मनाते हैं।

राज्यपाल ने राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, छोटा शिमला में छात्रों से संवाद किया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, छोटा शिमला का दौरा किया और उन्होंने दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को पुस्तकें भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों से पाठयक्रम के विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से एक शिक्षक और एक दोस्त के रूप में वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियों, स्व-अध्ययन और उनकी दैनिकचर्या के बारे में भी बातचीत की।

उन्होंने विद्यार्थियों को पाठड पुस्तकों के अतिरिक्त विभिन्न विषयों की अन्य पुस्तकें पढ़ने की भी आदत विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि आप अध्ययन करेंगे तभी अधिक ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी सच्ची दोस्त और मार्गदर्शक हैं जो न केवल सकारात्मक सोच को विकसित करती हैं, बल्कि हमें जीवन में सफलता का मार्ग भी दिखाती हैं।

इसके उपरांत, प्रधानाचार्य मीना शर्मा ने स्कूल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल का स्वागत किया और विभिन्न उपलब्धियों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने शिक्षकों का आहवान किया कि वे विद्यार्थियों में अध्ययन की आदत विकसित करने में अपना सकारात्मक सहयोग दें। उन्होंने स्कूल के पुस्तकालय को और विकसित करने और छात्रों को अच्छी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र ही स्कूल में स्थापित स्मार्ट क्लासरूम का भी निरीक्षण करेंगे।

मिस अर्थ इंडिया ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिस-अर्थ इंडिया-2022 वंशिका परमार ने राजभवन में भेंट की।

यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

राज्यपाल ने वंशिका को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके आत्मविश्वास और प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उनकी यह सफलता हिमाचल प्रदेश सहित देश के लिए गौरव का विषय तथा अन्यों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कुमारी वंशिका को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

हमीरपुर जिला के नादौन की रहने वाली वंशिका परमार 19 वर्ष की छोटी आयु में मिस-अर्थ इंडिया बनने वाली राज्य की प्रथम युवती है। मिस अर्थ इंडिया फिनाले नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में इस सप्ताह आयोजित किया गया, जिसमें वंशिका मिस अर्थ-2022 के लिए भारत की अधिकारिक प्रतिनिधि चुनी गई। वह नवंबर माह में फिलीपींस में मिस अर्थ प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जहां प्रतिष्ठित ताज के लिए 90 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ प्रतिस्पर्धा आयोजित होगी। वंशिका वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से अपनी पढ़ाई कर रही है। ब्यूटी क्वीन होने के साथ-साथ वह एकेडमिक स्कॉलर भी हैं।

राज्यपाल ने बच्चों को दीपावली की मिठाइयां बांटीं

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिमला के निकट ढली स्थित विशेष योग्यता वाले बच्चों के संस्थान का दौरा किया। उन्होंने रेडक्रॉस के माध्यम से बच्चों को दीपावली की मिठाइयां बांटीं।

उन्होंने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रकाश का पर्व है। उन्होंने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सबके जीवन में खुशियों का प्रकाश हो। इस अवसर पर, राज्यपाल ने बच्चों के अभिभावकों से भी बातचीत की।

इससे पूर्व, स्कूल के प्रधानाचार्य धर्मपाल राणा ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास अस्पताल, टूटीकंडी का भी दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण शाखा के पदाधिकारियों और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने रेडक्रॉस के सदस्यों का आहवान किया कि वे उपचाराधीन रोगियों को अपनाएं और उनकी काउंसलिंग के लिए आगे आएं।

वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय पाठक ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा अस्पताल की गतिविधियों से अवगत करवाया।

राज्यपाल ने प्रत्येक रोगी को दीपावली की मिठाई भेंट की और शुभकामनाएं दीं।

शैल समाचार
संपादक मण्डल
संपादक- बलदेव शर्मा
सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज
विधि सलाहकार: ऋचा
अन्य सहयोगी
राजेश ठाकुर
अंजना

इग्नू में यू.जी./पी.जी. कार्यक्रमों में प्रवेश की तिथि 27अक्तूबर तक बढ़ी

शिमला/शैल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई, 2022 सत्र के लिए विभिन्न यू.जी./पी.जी. (मास्टर डिग्री/ बैचलर डिग्री) तथा डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 27 अक्तूबर, 2022 तक बढ़ा दी है।

अत: इच्छुक अभ्यर्थी इग्नू की वैबसाईट (www.ignou.ac.in) पर अब 27 अक्तूबर, 2022 तक ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए प्रदेश भर में स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्रों या इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, शिमला के दूरभाष 0177-2624612 एवं 0177-2624613 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जनरेशन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधिमंडल का हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला का दौरा

शिमला/शैल। जनरेशन. नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधिमंडल ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कमल जीत सिंह, वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक, आगंतुक कार्यक्रम अनुभाग, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय ने की। उन्होंने बताया कि विश्व के 75 लोकतांत्रिक देशों के प्रतिनिधियों के लिए इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसमें भारतीय लोकतन्त्र तथा संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत के बारे में अवगत करवाया जाता है ।

डॉ. संदीप शर्मा, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने इस महत्वपूर्ण यात्रा के हिस्से के रूप में संस्थान को चुनने के लिए जनरल-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम डेलिगेट्स का स्वागत किया। प्रारंभ में, डॉ. शर्मा ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली के वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक कमल जीत सिंह के नेतृत्व में अतिथि दल का औपचारिक स्वागत तथा अभिनंदन किया।

डॉ. वनीत जिष्टू, वरिष्ठ वैज्ञानिक और उनकी टीम ने पश्चिमी हिमालय के महत्वपूर्ण वनस्पतियों के बारे में अवगत कराया और आसपास के जंगल की जानकारीपूर्ण सैर का आयोजन भी किया और शिमला और उसके आसपास पाए जाने वाले महत्वपूर्ण पेड़, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों की प्रजातियों को दिखाया । डॉ. जिष्टू ने अतिथि प्रतिनिधि को देश के पश्चिमी हिमालयी राज्यों में वानिकी के विकास और पर्यावरण के संरक्षण के लिए संस्थान द्वारा की जा रही वानिकी अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद एक विस्तृत संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें अतिथि दल के प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके पश्चात संस्थान द्वारा हाल ही में स्थापित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का भी दौरा किया गया, जहां संस्थान द्वारा वानिकी के क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

आने वाले प्रतिनिधियों ने देश

के इस महत्वपूर्ण हिस्से में वानिकी के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किए जा रहे वानिकी अनुसंधान कार्यो में अपनी गहरी रुचि दिखाई ।

निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने बताया कि इस यात्रा के दौरान, टीम ने भारत की संसद, चुनाव आयोग, नगर समिति, नई दिल्ली, आगरा, अमृतसर तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का भी दौरा किया । डॉ. शर्मा ने बताया कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव की गतिविधियों के एक भाग के रूप में कोलंबिया, पनामा, डोमिनिकन गणराज्य, सेनेगल, जर्मनी तथा भारत के 25 प्रतिनिधियों के लिए एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया जा रहा है। ये युवा प्रतिनिधि अपने-अपने देशों में राजनीतिक दलों (सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों), उद्यमियों और उभरते नेताओं के रुप में जाने जाते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वानिकी अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा से अतिथि प्रतिनिधिमंडल तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के वैज्ञानिक निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), जिसकी स्थापना 1950 में स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने की थी। इसका उद्देश्य भारत के बाहरी सांस्कृतिक संबंधों से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लेना है(भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देना और मजबूत करना) अन्य देशों और लोगों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और राष्ट्रों के साथ संबंध विकसित करना है।

आवश्यक सेवा के वोटरों वरिष्ठ नागरिकों दिव्यांगजनों को मिलेगी डाक मत्रपत्र की सुविधा

शिमला/शैल। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यक सेवाओं में तैनात मतदाताओं, 80 वर्ष से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और 40% से अधिक विकलांगता वाले दिव्यांगजनों को डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान की जाएगी।

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ निपुण जिंदल ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 60 (सी) के तहत आवश्यक सेवाओं में तैनात व्यक्ति, अधिकारी, कर्मचारी अपने कर्तव्यों की बाध्यता के कारण मतदान केंद्र पर उपस्थित होने में असमर्थ रहते हैं तो विधानसभा सामान्य निर्वाचन में मतदान के लिए उन्हें ड्यूटी पर तैनात होने के रूप में संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी द्वारा प्रमाणित किए जाने के बाद डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने का अधिकार प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग जनों को भी डाक मतपत्र की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस हेतु इन वर्गो को 21 अक्तूबर तक फॉर्म 12 (डी) अपने रिटर्निंग अधिकारी को जमा करवाना होगा।

इन कर्मचारियों को मिलेगी सुविधा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, एचआरटीसी, विद्युत विभाग, आईपीएच, हिमाचल प्रदेश मिल्क फेडरेशन और दुग्ध कोआपरेटिव सोसाइटी, चुनाव आयोग द्वारा प्राधिकृत मीडिया कर्मी, अग्निशमन विभाग के कर्मियों को पोस्टल बैलेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

आबकारी विभाग ने 106000 लीटर अवैध शराब पकड़ी

शिमला/शैल। राज्य कर एवं आबकारी विभाग द्वारा गठित टास्क फोर्स ने गुप्त सूचना के आधार पर जिला सिरमौर की पावंटा साहिब तहसील के अंतर्गत टोका नागला एवं खारा के जंगलो में बड़ी कारवाई करते हुए 106000 लीटर अवैध शराब पकड़ी।

उपायुक्त राज्य कर एवं आबकारी जिला प्रभारी हिमांशु पंवार के नेतृत्व में गठित विभागीय टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर खारा के जंगलो में दो स्थानों में कारवाई की। इस कारवाई में टोका नागला में लगभग 98000 लीटर अवैध कच्ची शराब को आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कब्जे में लेकर नियमानुसार नष्ट किया गया। इसी जंगल में छानबीन करते हुए खारा में 8000 लीटर अवैध कच्ची शराब को कब्जे में लेकर नष्ट किया गया।

कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए टीम ने मौके पर ही ड्रम, तिरपाल व इस्तेमाल की गई अन्य सामग्री की वीडियोग्राफी की।

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने बताया कि आदर्श चुनाव संहिता के अंतर्गत टास्क फोर्स प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ कड़ी कारवाई कर रही है। सीमान्तवर्ती क्षेत्रों में टीमों द्वारा प्रत्येक वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है तथा संदिग्ध स्थानों का निरिक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत औचक निरीक्षण किया जा रहा है। शराब से सम्बंधित किसी भी गतिविधि को रोकने का हर संभव प्रयत्न किया जा रहा है। अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि दोषियों के विरुद्ध सख्त कारवाई की जाये।

उन्होंने कहा कि शराब की किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों के बारे में कोई भी व्यक्ति टोल फ्री नंबर 1800-180-8062 पर सम्पर्क कर सकता है अथवा ई-मेल-vselection2022@mailhptax या व्हाट्सएप नंबर-9418611339 पर भी शिकायत कर सकता है।

लोकतंत्र के महापर्व में महत्वपूर्ण है चौथे स्तंभ की भूमिका:डॉ निपुण जिंदल

शिमला/शैल। आदर्श चुनाव संहिता के सफल क्रियान्वयन हेतु लोकतंत्र के चौथे स्तंभ एवं मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। चुनावों के दौरान मीडिया की भूमिका और दायित्वों पर आयोजित कार्यशाला एवं परिचर्चा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कांगड़ा डॉ. निपुण जिंदल ने यह शब्द कहे। उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला में निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर जिला निर्वाचन कार्यालय एवं लोक संपर्क विभाग जिला कांगड़ा द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. निपुण जिंदल के साथ एडीसी कांगड़ा गंधर्वा राठोड़, उपायुक्त के सहायक आयुक्त ओम कांत ठाकुर सहित क्षेत्र के मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

आदर्श चुनाव संहिता के दौरान पेड न्यूज, फेक न्यूज, मीडिया प्रमाणन एवं चुनावी विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन विषयों पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपने विचार रखते हुए नियमों की जानकारी दी। तत्पशचात पत्रकारों की जिज्ञासाओं और प्रश्नों का समाधान करते हुए संबंधित विषयों पर मुक्त चर्चा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. निपुण जिंदल ने कहा कि चुनावों के दौरान मीडिया की जिम्मेदारी कई गुणा बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि चुनावों के समय में लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर जनता तक सही जानकारी पहुंचाना मीडिया का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि चुनावों के समय में किसी भी

जानकारी या समाचार को प्रसारित करने से पहले उसकी सत्यता को अवश्य जांच लें। इस हेतु आदर्श चुनाव संहिता एवं मीडिया प्रमाणन नियमों की जानकारी पत्रकारों को आवश्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया ने सदैव अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए प्रशासन का सहयोग किया है। चुनावों के दौरान भी प्रशासन को मीडिया कर्मियों ऐसी अपेक्षा से रहेगी।

इसके बाद मतदाता जागरुकता को लेकर जिला भर में चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे जिला निर्वाचन अधिकारी ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वीप गतिविधियों के माध्यम से पूरे जिले में मतदाताओं को जागरुक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इनमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों में चुनावों संबंधित प्रतियोगिताएं, मतदाता जागरुकता कैंप, दिव्यांगजनों हेतु मतदान की उचित व्यवस्था, विभिन्न उपमंडलों में जाकर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, नए मतदाताओं का पंजीकरण, हस्ताक्षर अभियान, मतदान हेतु शपथ, गीत-संगीत, कार्टूनस् एवं सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा में अधिक से अधिक मतदान हो और लोग अपने मताधिकार का उपयोग करें इसी उद्देश्य से इन सभी गतिविधियों को करवाया जा रहा है। इस अवसर पर स्वीप के जिला नोडल अधिकारी सुधीर भाटिया ने स्वीप गतिविधियों पर प्रस्तुती दी।

पंचायती राज संस्थान और स्थानीय निकाय बर्फ से उत्पन्न परिस्थितियों का करेंगे प्रबंधन

शिमला/शैल। विधानसभा निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत मतदान प्रक्रिया में तैनात पोलिंग पार्टियों, सुरक्षाकर्मियों, चुनाव कर्मियों और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक आसान पहुंच सुनिश्चित बनाने के लिए ज़िला दंडाधिकारी डीसी राणा ने निर्वाचन के विभिन्न नियमों और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत खोज एवं बचाव कार्यो के लिए आदेश जारी किए हैं।

आदेश में कहा गया है कि चुनाव के दौरान कमांडेंट होमगार्ड को खोज और बचाव के लिए नोडल अधिकारी तैनात किया गया है । इसके साथ मतदान केंद्र स्तर पर तैयार की गई खोज एवं बचाव कार्य योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं । कार्य योजना को सभी संबंधितों अधिकारियों के साथ साझा किया गया है और जिला चुनाव अधिकारी की वेबसाइट (https://hpchamba.nic.in/district-election-office/) पर भी उपलब्ध करवाया गया है।

जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि शीत ऋतु के कारण मतदान और सुरक्षा कर्मियों, चुनाव कर्मचारियों और मतदाताओं की सुचारू आवाजाही के लिए सूक्ष्म स्तर पर बारिश, हिमपात से उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रबंधन की आवश्यकता है।

पंचायती राज संस्थान और शहरी स्थानीय निकाय मुख्य रूप से मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों और मतदाताओं की बाधा मुक्त आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार के तहत पहुंच पथों, सड़कों पर बर्फ हटाना सुनिश्चित करेंगे। बर्फबारी जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर ये संस्थाएं मतदान कर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों और मतदाताओं को उनके कार्य में भी आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाना सुनिश्चित बनाएंगे।

वार्ड स्तर पर संबंधित काउंसलर, वार्ड सदस्य उक्त उपायों को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

भविष्य में क्या होगा मैं यह नहीं सोचना चाहता, मुझे वर्तमान की चिंता है ईश्वर ने मुझे आने वाले समय पर कोई नियंत्रण नहीं दिया है।
.....महात्मा गाँधी

सम्पादकीय

क्या प्रदेश के मुद्दों पर लड़ा जायेगा चुनाव

क्या प्रदेश के मुद्दों पर लड़ा जायेगा चुनाव प्रदेश विधानसभा के लिये चुनावों की तिथियां घोषित होने के बाद प्रमुख दलों भाजपा कांग्रेस तथा आप के उम्मीदवारों की सूचियां आने के साथ ही इनके स्टार प्रचारकों की सूचियां भी जारी हो चुकी हैं। नामांकन वापसी के बाद मतदान तक चुनाव प्रचार के लिये इस बार बहुत कम समय रखा गया है यह संयोगवश है या इसके पीछे कोई विशेष वैचारिक धरातल रहा है क्योंकि मतदान और परिणाम के बीच बहुत अन्तराल रखा गया है। चुनाव प्रचार में जिस संख्या में केन्द्रीय नेताओं को उतारा गया है उसके परिदृश्य में प्रदेश के नेताओं की भूमिका बड़ी संकुचित होकर रह जायेगी। स्टार प्रचारकों की सूचियों से तो यही इंगित होता है कि चुनाव प्रदेश के मुद्दों पर नहीं केंद्र के मुद्दों पर लड़ा जायेगा। क्योंकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस जयराम सरकार के पूरे कार्यकाल में कोई आरोप पत्र तक जारी नहीं कर पाया है। ऐसे में कांग्रेस के केन्द्रिय नेताओं के पास प्रदेश के मद्दों की कोई बड़ी व्यवहारिक जानकारी स्वाभाविक रूप से हो नहीं पायेगी। आम आदमी पार्टी 2014 में अपने गठन से लेकर आज तक प्रदेश में गंभीर और ईमानदार हो नहीं पायी है। क्योंकि हिमाचल में आप की ज्यादा सक्रियता भाजपा के लिये नुकसानदेह होगी। इसीलिए आप हिमाचल में दिल्ली मॉडल का सूत्र अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को रटाने से आगे नहीं बढ़ी है। केजरीवाल उसी तर्ज पर दिल्ली मॉडल की बात करता है जिस तर्ज पर आज तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की जनता को अपने ही मन की बात सुनाते आये हैं। दोनों विज्ञापन जीवियों की श्रेणी में आते हैं। जबकि केजरीवाल की मुफ्ती पर आरबीआई से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की चिंता व्यक्त कर चुके हैं और इस पर कभी भी कोई कड़े निर्देश आ सकते हैं। आप की गुजरात में बिलकिस बानो प्रकरण में चल रही चुप्पी से कई सवाल खड़े होते जा रहे हैं।

इस परिप्रेक्ष में यह लगता है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश के मुद्दों पर बात करने के बजाय इसी से काम चलाने का प्रयास करेगा कि रुपया नहीं गिर रहा है बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है। इस समय बिलकिस बानो के हत्यारों की सजा मुआफी के मामले में जिस तरह से केन्द्र की भूमिका बेनकाब हुई है उससे क्या आज भाजपा के हर नेता से यह सवाल नहीं पूछा जाना चाहिये कि हत्यारों और बलात्कारियों का सार्वजनिक महिमामण्डन किस संस्कृति का मानक है। क्या मुस्लिम होने से उन्हें न्याय का अधिकार नहीं रह जाता है। क्या आज यह राष्ट्रीय प्रश्न नहीं बन जाता है। क्या संघ का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद इसी का नाम है? इसी तरह आज नोटबंदी पर आई हुई 58 याचिकाओं पर सुनवाई के माध्यम से एक सार्वजनिक बहस का वातावरण निर्मित हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार और आरबीआई को नोटिस जारी किया है। इसमें यह सामने आ चुका है की नोटबंदी का अधिकार आरबीआई एक्ट के तहत सरकार को था ही नहीं। इस बहस से यह सवाल फिर उछलेंगे कि नोटबंदी के समय घोषित लाभ कितने क्रियात्मक हो पाये हैं। नोटबंदी पर क्या आज सवाल नहीं पूछे जाने चाहिये? नफरती बयानों पर जिस तरह का कड़ा संज्ञान सर्वोच्च न्यायालय ने लेते हुए प्रशासनिक निष्क्रियता को अदालती अवमानना करार दिया है उससे पूरे समाज में एक नयी संवेदना और संचेतना का वातावरण निर्मित हुआ है। नफरती बयानों के लिए सबसे अधिक सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोग जिम्मेदार हैं। नफरती बयानों पर भी भाजपा नेतृत्व से सवाल पूछे जाना आवश्यक हो जाता है। क्योंकि यह सारे आज के राष्ट्रीय प्रश्न बन चुके हैं। इनके कारण अर्थव्यवस्था पूरी तरह तहस-नहस हो चुकी है। इन प्रश्नों से ध्यान हटाने के लिए राम मन्दिर, तीन तलाक धारा 370 हटाने जैसे मुद्दे परोसे जायेंगे।

हिमाचल के संद्धर्भ में भी इस सवाल का जवाब नहीं आयेगा कि प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना में ही 2541 करोड़ रूपया बांटे जाने के बाद भी प्रदेश बेरोजगारी में देश के टॉप छः राज्यों में क्यों आ गया। प्रदेश का कर्ज भार हर रोज बढ़ता क्यों जा रहा है? प्रदेश को दिये गये 69 राष्ट्रीय राजमार्ग और कितने चुनावों के बाद सैद्धांतिक स्वीकृति से आगे बढ़ेंगे। मनरेगा में इस वर्ष अभी तक कोई पैसा क्यों जारी नहीं हो पाया है? प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्यों बंद हो गयी? इसके तहत निर्माणधीन 203 सड़को का भविष्य क्या होगा। विधानसभा का यह चुनाव बहुत अर्थो में महत्वपूर्ण होने जा रहा है इसलिये यह कुछ प्रश्न आम आदमी के सामने रखे जा रहे हैं।

भारत की एकता व अखंडता के लिए खतरनाक है पी.एफ.आई का सैन्य विंग

गौतम चौधरी

अभी हाल ही में जिस कुख्यात चरमपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पी.एफ.आई पर प्रतिबंध लगाया गया। उसे किसी भी सकारात्मक या रचनात्मक सोच से जोड़ना देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करना है। पी.एफ.आई के आतंकी व हिंसक गतिविधि से संबंधित खबरें तो आती ही रही है। लेकिन इसके द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों ने भारत की आतंरिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। पी.एफ.आई के गतिविधियों की जांच और सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा पकड़े गए संगठन के खूंखार सदस्यों से पूछ-ताछ पर यह बात सामने आयी है कि पी.एफ.आई द्वारा भारत के प्रत्यके राज्यों में अपने विरोधियों को समाप्त करने के लिए मारक दस्ते का निर्माण कर रखा था। उस मारक दस्ते को ठीक उसी प्रकार से प्रशिक्षित किया जाता था जिस प्रकार किसी सैन्य संगठन में प्रशिक्षण दिया जाता है। यह संगठन एक खास वर्ग विशेष के युवाओं को दिग्भ्रमित कर उसे देश के संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहा था। इसका खुलासा होते ही भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इस संगठन की आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी मिली और वह चौंकाने वाला था। उत्तर प्रदेश में मारक दस्ते मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने खुलासा किया है कि बहुत सारे युवा पी.एफ.आई में शामिल हुए है। उन युवाओं को पहले तो सैन्य प्रशिक्षण दिया गया फिर उन्हें मारक दस्ते में शामिल कर लिया गया।

यही नहीं पी.एफ.आई के गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का भी विवरण उजागर हुआ है। यदि उत्तर प्रदेश एस.टी.एफ ने दो पी.एफ.आई के हार्डकोर सदस्यों को न पकड़ा होता तो कई भयानक कार्य इनके द्वारा संपन्न हो गया होता। पिछले वर्ष के मध्य में उत्तर प्रदेश एस.टी.एफ ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जिसमें अंशद बदरुद्दीन और फिरोज खान शामिल थे। इन दोनों के पास से खतरनाक हथियार, गोला-बारूद के साथ 16 उच्च क्षमता वाले विस्फोटक प्राप्त हुए थे। अशंद पी.एफ.आई के मारक दस्ते का राष्ट्रीय समन्वयक है और बम बनाने में निपुण होने के साथ यह ब्लैकबेल्टर भी है। अशंद बदरुद्दीन की गिरफ्तारी केरल से हुई थी। फिरोज पी.एफ.आई का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण है और वह भी बम बनाने में निपुण होने के साथ मार्शल आर्ट में पेशेवर प्रशिक्षित है। दोनों ने यह कबूल किया कि वो पी.एफ.आई की स्थापना दिवस के अवसर पर 17 फरवरी को विभिन्न जगहों पर विस्फोट करने की योजना बना रहे थे। ये लोग सीधे-सीधे युवाओं को दिग्भ्रमित करते हैं और उन्हें बम, बंदूक, विस्फोटक चलाने का प्रशिक्षण देते हैं। दोनों ने यह खुलासा किया कि प्रत्येक राज्य में 25-25 सदस्य बनाने की योजना थी। वे युवाओं का चयन उनके ऑनलाइन गतिविधि द्वारा करते हैं और उनसे संपर्क उनके भड़काउ पोस्ट पर कमेंट को देखकर करते हैं। बाद में उन्हें पी.एफ.आई द्वारा निश्चित वेतन के आधार पर संगठन से जोड़ा जाता है।

उसी साल में पहले उत्तर प्रदेश एस.टी.एफ ने सिद्धार्थ नगर के मोहम्मद रशीद को गिरफ्तार किया और उसके पास से नकली दस्तावेज व राष्ट्र विरोधी सामग्री प्राप्त किया। राशिद पी.एफ.आई का कमांडर एवं हथियार प्रशिक्षक था जो अनशद के तरह सीधे-सीधे दिग्भ्रमित युवा को पसंद करता था। वो आर्थिक एवं दिमागी दृष्टि से कमजोर मुस्लिम युवाओं को उपदेश देता था और धर्म को लक्ष्य बनाकर देश के खिलाफ हथियार उठाने को कहता था। राशिद ऐसे युवाओं को हथियार चलाने और शारीरिक युद्ध कला में प्रशिक्षित करता था।

उत्तर प्रदेश एस.टी.एफ की जांच से यह उजागर होता है कि राशिद ने प्रशिक्षण का एक प्रारूप तैयार किया था और उन्हें ग्रेड दिया जाता था जो राशिद से प्रशिक्षण लेते थे और उन्हीं ग्रेड के अनुसार उन्हें आगे जटिल हथियार चलाने की शिक्षा दी जाती थी। हथियार या किसी और चीज का प्रशिक्षण पी.एफ.आई के लिए कोई नई बात नहीं हैं। कुछ साल पहले 2013 में केरल के कन्नूर जिले के नारथ नामक जगह से पी.एफ.आई प्रशिक्षण शिविर से हथियार और विस्फोटक की बरामदगी हुई थी। प्रशिक्षण शिविर से तलवार, लकड़ी की छड़ी, मानव पुतले, विदेशी करेंसी, मोबाइल और पी.एफ.आई पम्पलेट जब्त किए गए थे। इससे यह साबित होता है कि मोटे तौर पर पीएफआई भी एक गुरिल्ला युद्ध की तैयारी में लगा हुआ था।

गुरिल्ला युद्ध रणनीति से लैटिन अमेरिकी देशों में व्यापक क्षति हुई है। उस लड़ाई से हमें सीख लेनी चाहिए। वो लड़ाई हमें सीख देती है कि नियमित सेना के मुकाबले गुरिल्ला सैनिकों से लड़ना आसान होता है। विशेषकर जब सेना आदर्शवादी विचारधारा से प्रेरित हो। जांच में यह भी पता चला है कि पी.एफ.आई सैकड़ों युवाओं को गैर पारंपरिक युद्ध रणनीति के लिए विगत कई वर्षो से प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करता रहा है। युवाओं को धार्मिकता के आधार पर पहले प्रेरित करता है फिर उसे देश के खिलाफ भड़काता है। इतिहास गवाह है कि धार्मिक रूप से प्रेरित व्यक्ति यदि गलत रास्ते पर चले तो वह एक राष्ट्र के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरता है। घाव पर नमक छिड़कते हुए इन व्यक्तियों को पी.एफ.आई द्वारा सैनय शैली में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे पहले की बहुत देर हो जाये, अधिकारियों को मारक दस्ते के पूरे गठजोड़ का पता लगाना चाहिए और उसे जितना जल्द से जल्द हो सके खत्म कर देनी चाहिए।

आयोडीनयुक्त नमक शारीरिक व मानसिक विकास के जरूरी पोशक तत्व:डॉ.दिनेश ठाकुर

शिमला। विश्व आयोडीन अल्पता विकार निवारण दिवस का जिला स्तरीय आयोजन जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश ठाकुर की अध्यक्षता में क्षेत्रीय अस्पताल मण्डी में आयोजित किया गया। डॉ. दिनेश ठाकुर ने बताया कि आयोडीन हमारे शरीर के लिए बहुत ही जरूरी सुक्षम पोशक तत्व है और हमारे जीवन के हर स्तर के आधार पर एक व्यस्क को हर दिन 150 माईक्रोग्राम आयोडीन की आवश्यकता जो कि एक सूई की नोक के बराबर की औसत मात्रा की जरूरत होती है। गर्भावस्था और दूध पिलाने वाली माताओं को रोजाना 200 माईक्रोग्राम आयोडीन की आवश्यकता होती है। यदि शरीर में आयोडीन की कमी हो तो हमें थायराईड रोग हो सकते है क्योंकि हमारे शरीर को थायराईड हार्मोन्स का उत्पदान करने के लिए आयोडीन की आवश्यकता होता है और इसकी कमी से हमारा शरीर कई समस्याओं की चपेट में आ जाता है मौजूदा दौर में थायराईड से तमाम लोग जूझ रहे है क्योंकि कई बार लोग इन विकारों व लक्षणों को समय पर पहचान नहीं पाते। उन्होने बताया कि यदि अचानक बजन बढ़ जाये, थकान और कमजोरी महसूस हो, तनाव के संकेत, गर्दन के आस-पास त्वचा का रंग काला पड़े, चिन्ता, घबराहट, महिलाओं में मासिक धर्म में परिर्वतन हो तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए तुरन्त अपने पैशाब व रक्त की जांच करवानी चाहिए यदि समय पर जांच व उपचार नहीं करोगे तो इसके गम्भीर परिणाम जैसे गर्दन में सूजन, घैन्घा या गिल्हड़ रोग, हृदय रोग, महिलाओं में गर्भपात, बांझपन, अवसाद तथा बच्चे में मस्तिश्क का विकास रूक जाना, बौनापन, गूंगापन, बैहरापन तथा बड़ों में शारीरिक क्षमता कम, थकान, यादास्त कमजोर, बाल झड़ना तथा त्वचा में रूखापन आदि रोग व समस्याएँ पैदा हो सकती है। उन्होने बताया कि विष्व में 1.5 अरब से अधिक लोग आयोडीन अल्पता विकार का सामना कर रहे है और भारत में 20 करोड़ लोग इस समस्या से जूझ रहे है। भारत में अभी तक 85.6 प्रतिशत लोग ही आयोडीन युक्त नमक खा रहे है इसलिए लोगों को जागरूक करके उन्हें अपने खान-पान जिसमें कम वसा वाला भोजन तथा अपने आहार में फल व सब्जियाँ विषेशकर हरे पत्तेदार, पालक, शकरकन्द, आलू, प्याज, मूली, समुद्री मछली, अण्डा, मीट, ब्रैड, दाले तथा स्ट्रबैरी और केले आदि कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ दैनिक भोजन में शामिल करने चाहिए।

जन शिक्षा एवं सूचना अधिकारी सोहन लाल ने बताया कि आयोडीन जमीन की उपरी सतह में होता है और हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने के कारण वर्षा से आयोडीन पानी में बह जाती है और हमें अपने भोजन व सब्जियों में आयोडीन प्रचूर मात्रा में नहीं मिलती इसलिए हमें आयोडीनयुक्त नमक का ही प्रयोग करना चाहिए। उसे सीलन और धूप से बचाए, खुला न छोड़े और हवा बन्द या टाईट ढ़कन वाले प्लासिटक या शीशें बन्द डिब्बों में रखे तथा तड़का लगाने के बाद ही नमक को सब्जी में डालें नही तो आयोडीन नष्ट हो जाती है। उन्होने बताया कि हमें तनावमुक्त जीवन जीना चाहिए, रोज योग व सैर करें, जंकफूड न लें तथा धुम्रपान, शराब आदि नशीले पदार्थो से बचे रहें। जिला मण्डी में आशा व स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर नमक की जांच भी कर रही है और आयोडीन के बारे में भी जानकारी दे रही है। इस कार्यक्रम में डॉ. वीरेन्द्र ठाकुर शिशु रोग विषेशज्ञ, डॉ. मोनिका स्त्री रोग विशेषज्ञ, तथा गर्भवती महिलाएं आशा कार्यकर्ताओं सहित 120 लोगों

करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं यह प्रत्याशी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से घोषित प्रत्याशी करोड़ों रुपये की चल – अचल संपत्ति के मालिक हैं। नामांकन पत्र के साथ दिये गये शपथपत्र में प्रत्याशियों ने यह जानकारी दी है।

मनाली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गोविंद ठाकुर 4,28,99,558 रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। उनकी आय में प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। गोविंद ठाकुर के पास एक लाख जबकि उनकी धर्मपत्नी रजनी ठाकुर के पास 36,200 रुपये नकद हैं। गोविंद ठाकुर के पास 2,50,000 का सोना है जबकि उनकी धर्म पत्नी रजनी ठाकुर के पास 15 लाख के आभूषण है। गोविंद ठाकुर के पास 26 लाख के दो वाहन हैं जबकि उनकी पत्नी के पास 10,65,013 रुपये का एक वाहन है। शपथ पत्र में उन्होंने इसका उल्लेख किया है।

शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह के पास करीब 96. 97 करोड़ रुपये की चल – अचल संपत्ति है। इसमें दो लाख रुपये नगदी के अलावा सोने, चांदी के गहने, वाहन, एलआईसी और बैंक में सेविंग के तौर पर 6.97 करोड़ की संपत्ति भी शामिल हैं।

पूर्व मंत्री जीएस बाली के पुत्र और नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रघुवीर सिंह बाली करोड़ों की चल – अचल संपत्ति के मालिक हैं। आरएस बाली के पास 13 करोड़ रुपये चल संपत्ति है, जबकि अचल में 98 करोड़ रुपयों की संपत्ति दर्ज है। इसके अलावा उनके पास 180 ग्राम सोना और 1300 ग्राम चांदी है। छह करोड़ रुपये से ज्यादा का ऋण भी है। वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी के पास भी करोड़ों रुपये की चल व अचल संपत्ति है। रघुवीर सिंह बाली पर विभिन्न पुलिस थानों में कुछ मामले भी दर्ज हैं।

विधानसभा क्षेत्र पालमुपर से कांग्रेस प्रत्याशी आशीष बुटेल के पास 69,19,157 रुपये की चल संपत्ति और 27.2 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उनके पास थार, फॉर्च्यूनर, इनोवा और दो स्कूटी हैं। उन्होंने बीए और बीकॉम की पढ़ाई की है। उनके नाम 7.64 करोड़ रुपये की देनदारी भी है।

कसुम्पटी क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज करीब 1.62 करोड़ की संपत्ति है। इनमें 62 लाख रुपये बैंक खाते में जमा राशि, गहने आदि की कीमत शामिल है।

कसुम्पटी से कांग्रेस प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक अनिरुद्ध सिंह भी करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। इनके पास करीब दो किलो सोना, 20 किलो चांदी और जमीन समेत करीब 7.46 करोड़ की संपत्ति है। हालांकि, देनदारी भी करीब 6 करोड़ से ज्यादा है।

शिमला शहरी से कांग्रेस प्रत्याशी हरीश जनारथा के पास छह गाड़ियां हैं। गहने, बैंक राशि, जमीन समेत कुल साढ़े चार करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। शिमला शहरी सीट से भाजपा प्रत्याशी संजय सूद भी करीब 1.45 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं।

विधानसभा क्षेत्र नूरपुर से कांग्रेस प्रत्याशी अजय महाजन के नाम 14,19,64,781 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उनके पास तीन गाड़ियां इनोवा, फॉरच्यूनर और इसूजू और उनकी पत्नी के पास महिंद्रा बोलेरो गाड़ी है। अजय महाजन के नाम 1,47,55,794 करोड़ रुपये की देनदारी भी है। अजय महाजन ने स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की है।

पूर्व मंत्री एवं भाजपा की टिकट पर देहरा से चुनाव लड़ रहे भाजपा के उम्मीदवार रमेश धवाला 1.64 करोड़ रुपये की चल – अचल संपत्ति के मालिक हैं। धवाला के पास अपने नाम 88.54 लाख की संपत्ति सहित करीब दो लाख का 40 ग्राम सोना है। वहीं एक कार भी उनके नाम पंजीकृत है। इसके अलावा उनके नाम 57 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। वहीं पत्नी के नाम 4.55 लाख रुपये की चल संपत्ति सहित करीब ढाई लाख का 50 ग्राम सोना है। वहीं धवाला के नाम 2 लाख की देनदारी भी है।

देहरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक होशियार सिंह करीब 5.97 करोड़ की चल – अचल संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास कुल चल संपत्ति 2.78 करोड़ रुपये है। इसमें होशियार के नाम 1.66 करोड़, जबकि पत्नी के नाम 34. 21 लाख रुपये की संपत्ति दर्ज है। इसके अलावा होशियार की अचल संपत्ति का मूल्य 2.96 करोड़ है। इसमें होशियार के नाम 1.79 करोड़ और पत्नी के नाम 1.17 करोड़ की संपत्ति दर्ज है। वहीं होशियार के नाम से एक कार पंजीकृत होने के साथ करीब 17 लाख रुपये का 369.22 ग्राम सोना, जबकि पत्नी के नाम 17.20 लाख रुपये का 374 ग्राम सोना है। वहीं होशियार के नाम 74 लाख और पत्नी के नाम 50 लाख की देनदारी भी दर्ज है।

शाहपुर में भाजपा की प्रत्याशी सरवीण चौधरी और कांग्रेस प्रत्याशी केवल सिंह पठानिया करोड़ों के मालिक हैं। सरवीण चौधरी के पास 45,61,022 रुपये और उनके पति के पास 35,92,437 रुपये की चल संपत्ति है। सरवीण के पास 33 लाख 13 हजार रुपये के आभूषण भी हैं। उनके पति के पास तीन लाख की चेन और अंगूठियां हैं। सरवीण के पास इस समय 92 हजार रुपये कैश और उनके पति के पास 25 हजार की नकदी है। सरवीण के पास 88,62,348 रुपये और उनके पति के पास चार करोड़ 11 लाख, 21 हजार 539 रुपये की अचल संपत्ति है।

सरवीण ने विधानसभा से घर के निर्माण के 50 लाख रुपये का लोन ले रखा है। जबकि पति की 35 लाख रुपये देनदारी है। वहीं कांग्रेस नेता केवल सिंह पठानिया के पास 24,86,815 रुपये और 37,62,112 रुपये की चल संपत्ति है। जबकि पठानिया के पास दो करोड़ 43 लाख 90 हजार 800 रुपये और उनकी पत्नी के पास दो लाख रुपये की अचल संपत्ति है। पठानिया को अभी तक साढ़े दस लाख रुपये की देनदारी भी है।

विधायक राकेश जम्वाल की सालाना आय 2017 – 18 के मुकाबले बढ़कर 22.31 लाख हो गई है। 2017 में उनके पास कुल 1,77,85,829 चल संपत्ति और 85 लाख की अचल संपत्ति थी। राकेश जम्वाल के पास पिछले चुनावों में 20 हजार नकद था जो अब बढ़कर 50 हजार रुपये हुआ है। उनके विभिन्न बैंक खातों में एक करोड़ 5 लाख की राशि जमा है। पत्नी के खातों में करीब ढाई लाख की राशि है। उनके पास ढाई लाख की कीमत का सोना और पत्नी के पास 10 लाख की कीमत के स्वर्ण आभूषण हैं। राकेश जम्वाल के पास कुल 1.40 करोड़ और पत्नी के पास 19,06,792 की चल संपत्ति है। इसमें दो वाहन भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त करीब 2.13 करोड़ की अचल संपत्ति है। उन पर करीब 44.71 लाख की देनदारी है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक किशोरी लाल के विभिन्न बैंकों और अन्य सोसायटी आदि में एक करोड़ 19 लाख 51 हजार और 874 रुपये जमा हैं। किशोरी लाल के पास 15 कमरों का मकान है और 5 लाख 71 हजार रुपये की देनदारियां हैं। इसी प्रकार किशोरी लाल के पास तीन करोड़ रुपये की चल व अचल संपत्ति है। उनके पास एक लाख 10 हजार रुपये के गहने और पत्नी के पास चार लाख के सोने के गहने हैं। उनके पास 23 लाख के करीब दो गाड़ियां हैं। इसी प्रकार मुल्क राज प्रेमी के पास 59 लाख 56 हजार रुपये जमा है। उनके पास तीन लाख 50 हजार और पत्नी मीरा के पास पांच लाख के गहने हैं। इसके अतिरिक्त चार लाख के गहने बेटियों के नाम हैं। प्रेमी के 27 लाख 33 हजार रुपये के विभिन्न लोन हैं। वहीं दूसरी ओर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन भरने वाले तिलक राज तीन करोड़ 70 लाख की चल व अचल संपत्ति के मालिक हैं तथा 39 लाख रुपये का लोन है। इसके अतिरिक्त 22 लाख 5 हजार 973 रुपए बैंकों में जमा है।

पुलिस लाइन भराड़ी में मनाया गया राज्य स्तरीय पुलिस स्मृति दिवस

21 अक्तूबर 1959 स्वतंत्र भारत के इतिहास का वह दिन था जब लद्दाख सीमा पर हॉट स्प्रिंग नामक स्थान पर चीन की सेना ने भारतीय पुलिस के 21 जवानों पर घात लगाकर हमला किया था। चीनी सेना की घुसपैठ की गतिविधियों को देखते हुये भारत तिब्बत सीमा पर सीआरपीएफ के जवानों के साथ सात अन्य बलों को सीमा की रखवाली करने के लिए तैनात किया गया था। 21 अक्तूबर 1959 को सीआरपीएफ के उपनिरीक्षक कर्म सिंह के नेतृत्व में 21 जवान जब सीमा पर गश्त कर रहे थे। उस वक्त चीनी सेना ने उन पर अचानक आक्रमण कर दिया था। अपने दल का मोर्चा संभालते हुये उपनिरीक्षक कर्म सिंह और उनके साथियों ने पूरी बहादुरी के साथ उनका डटकर सामना करते हुये चीनी सैनिकों से लोहा लिया। इसमें हमारे 10 जवान देश की सुरक्षा के लिये लड़ते हुए शहीद हो गए थे और 11 जवानों को चीनी सेना द्वारा बन्दी बना लिया गया था। इसी शहादत की याद में हर वर्ष 21 अक्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1960 में इस दिन को आधिकारिक दर्जा दिया गया और वर्ष 2012 से पुलिस मेमोरियल चाणक्यपुरी में राष्ट्रीय स्तर की पुलिस स्मृति दिवस परेड के आयोजन की शुरुआत हुई।

आतंकवाद विद्रोह व नक्सली हमला सांप्रदायिक दंगे अतिक्रमण लूटपाट जंगल व खनन माफियाओं पर लगाम कसना हिंसक भीड़ से निपटना व उनसे जानमाल की हिफाजत कानून एवं व्यवस्था से संबंधित समस्याओं प्राकृतिक आपदाएं दुर्घटनाओं एवं घटनाओं में घायलों को अस्पताल पहुंचाने सहित पुलिसकर्मियों की अनंत जटिल जिम्मेदारियां हैं जिनके निर्वहन में प्राय: पुलिसकर्मियों को अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। तथा कई बार अपनी जान भी गंवानी पड़ती है।

1959 से लेकर आज तक पिछले 63 वर्षो में विभिन्न पुलिस बलों के लगभग 36000 अधिकारियों व कर्मचारियों ने देश की सुरक्षा और समाज की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। आज हिमाचल प्रदेश में राज्य स्तरीय पुलिस स्मृति दिवस पुलिस लाइन भराड़ी में मनाया गया। हिमाचल पुलिस कर्मियों द्वारा यह परेड संपन्न की गई। जिसका नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक कमल वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूरे वर्ष में देश भर में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुये जवानों के नामों का स्मरण सत्येंद्र पाल सिंह भारतीय पुलिस सेवा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राज्य गुप्तचर विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा किया गया तथा श्रद्धांजलि अर्पित की गई पुलिस के उच्चाधिकारियों जिनमें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतवंत अटवाल त्रिवेदी, अभिषेक त्रिवेदी पुलिस महानिरीक्षक ए पी सिंह डीके यादव जेपी सिंह कथा उपमहानिरीक्षक पुलिस डीके चौधरी सहित सेवानिवृत्त अधिकारी गण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे तथा उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किए समस्त स्तर के विभिन्न पुलिस कर्मचारियों ने भी शहीदों को नमन करके पुष्पांजलि अर्पित की।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक जिला वाहिनी मुख्यालय में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पुलिस स्मृति दिवस न केवल शहीदों को स्मरण करने का अवसर है बल्कि समस्त पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा और उदाहरण प्रस्तुत करता है।

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ने बांग्लादेश के युवा प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की

शिमला/शैल। युवा कार्यक्रम विभाग 12 से 19 अक्तूबर 2022 के दौरान भारत के दौरे पर आये बांग्लादेश

के 100 – सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है। दौरे के अंतिम दिन, केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बांग्लादेश के युवा प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में नई दिल्ली में एक रात्रिभोज का आयोजन किया। इस अवसर पर, युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री निसिथ प्रमाणिक भी उपस्थित थे।

भारत सरकार के केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री के साथ बातचीत के दौरान बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल ने इस कार्यक्रम की बेहद सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी प्रदर्शन किया। भारतीय कलाकारों ने भी इस रंगारंग संध्या के दौरान अपनी कला का प्रदर्शन किया।

अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए भारत में एक सप्ताह के प्रवास के क्रम में उनके अनुभवों को भी सुना। इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच वैचारिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों के आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान की और क्षेत्रीय सहयोग एवं वैश्विक शांति को बढ़ावा देने में योगदान दिया। भारत और बांग्लादेश का एक लंबा साझा सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक इतिहास रहा है। भारत की एक बड़ी आबादी भी वही बांग्ला भाषा बोलती है, जो बांग्लादेश में बोली जाती है। दोनों देश एक दूसरे के साथ एक लंबी सीमा साझा करते हैं। हमारे एक दूसरे के साथ पुराने, गहरे, मैत्रीपूर्ण संबंध भी हैं और हम समान हित साझा करते हैं।

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, बांग्लादेश के युवा प्रतिनिधिमंडल ने 14 अक्तूबर 2022 को राष्ट्रपति भवन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने आगरा में ताजमहल, बेंगलुरु स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान और मैसूरु में इंफोसिस जैसे विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं औद्योगिक स्थलों का दौरा किया और वहां शिक्षाविदों एवं उद्योग जगत की शीर्ष हस्तियों के साथ बातचीत की। इस प्रतिनिधिमंडल में विविध पृष्ठभूमि के युवाओं का समावेश है जिनमें छात्र, युवा पत्रकार, उद्यमी, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर आदि शामिल हैं। यह कार्यक्रम हमारे पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने में असीम सदभावना और सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग पर युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों के बारे में अन्य देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं के बीच एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने की जिम्मेदारी है। शांति और समझ को बढ़ावा देने के कार्य में युवाओं को शामिल करने हेतु विभाग ने एक प्रभावी साधन के रूप में युवा प्रतिनिधिमंडलों के अंतरराष्ट्रीय आदान–प्रदान की कल्पना की है। विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने के लिए मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान पारस्परिक आधार पर किया जाता है। यह विभाग वर्ष 2006 से चीन और दक्षिण कोरिया के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का नियमित आदान–प्रदान करता रहा है।

वर्ष 2012 में, ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से बांग्लादेश के 100–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल को भारत आमंत्रित करने और उनके लिए ऐतिहासिक, शैक्षिक, तकनीकी और औद्योगिक हितों को प्रदर्शित करने वाले स्थानों का दौरा करने की व्यवस्था का अनुरोध किया था। तदनुसार, पहली बार, बांग्लादेश के 100–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने 6–13 अक्तूबर, 2012 के दौरान भारत का दौरा किया था। बांग्लादेश का वर्तमान प्रतिनिधिमंडल ऐसा दौरा करने वाला आठवां दल है।

प्रतिभा सिंह ने मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

प्रतिभा सिंह ने उम्मीद जाहिर की है कि खड़गे के नेतृत्व में पूर्व की भांति देश मे कांग्रेस मजबूती से आगे बड़ेगीं।

प्रतिभा सिंह ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा कांग्रेस को दिए उनके कुशल नेतृत्व पर आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी को दिए उनके योगदान की सदैव ऋणी रहेंगी।

जनता से और जनता के लिये होगा भाजपा का घोषणा पत्र:सिकंदर

शिमला/शैल। चुनाव घोषणा पत्र समिति के भाजपा अध्यक्ष प्रो डॉ. सिकंदर कुमार ने चुनाव दृष्टि पत्र के लिए सुझाव पेटियां खोली। सिकंदर ने

कहा कि इन बक्सों को भाजपा द्वारा लॉन्च किये गये प्रचार वाहनों में रखवा गया था।

चक्कर शिमला में पार्टी मुख्यालय में बक्से आ चुके हैं और हमें समाज के सभी वर्गो से 20000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। ऑनलाइन हमें 5000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो कुल मिलाकर 25000 हो गये हैं।

उन्होंने कहा कि सुझाव बड़ी संख्या में प्राप्त हुये हैं और इसमें कॉलेज के छात्र, किसान, सरकारी कर्मचारी, व्यवसायी, एससी, एसटी, ओबीसी और अन्य वर्गो की बड़ी संख्या में भागीदारी है। मेनिफेस्टो अमल होने तक सुझाव लिए जाएंगे।

सिकंदर ने कहा कि भाजपा एक सप्ताह के भीतर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप की मौजूदगी में अपना घोषणापत्र पेश करेगी। हमारा घोषणापत्र जनता से और जनता के लिये होगा।

युवा मतदाता जागरुकता के दूत होते हैं:उपायुक्त

शिमला। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के शिमला स्थित केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम (स्वीप) के तहत दो दिवसीय मतदाता जागरुकता अभियान रिकांगपिओ के राजकीय वरिष्ठ

माध्यामिक विद्यालय में सम्पन हुआ। समापन अवसर पर ज़िला किन्नौर के उपायुक्त और ज़िला निर्वाचन अधिकारी आबिद हुसैन सादिक ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया।

अभियान के प्रथम दिन रिकांग पिओ के राजकीय डिग्री कॉलेज, राजकीय आईटीआई, डाइट, राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक स्कूल कोठी और पांगी के छात्र छात्राओं ने स्वीप और भारतीय चुनाव प्रणाली विषय पर आयोजित नारा लेखन, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार दे कर सम्मानित किया। इसी कड़ी में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजकीय डिग्री कॉलेज रिकांग पिओ की छात्रा पूजा कुमारी, दूसरा पुरस्कार इसी कॉलेज की करिश्मा राणा और तीसरा पुरस्कार राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक स्कूल कोठी की त्रिवेणी भंडारी ने हासिल किया।

नारा लेखन प्रतियोगिता में राजकीय डिग्री कॉलेज रिकांगपिओ की अंजलि, चिराग और राजकीय वरिष्ठ माध्यामिक स्कूल कोठी की शालू ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

निबंध लेखन में राजकीय डिग्री कॉलेज रिकांगपिओ की अंजलि, राजकीय आईटीआई के छेरिंग व डाइट रिकांग पिओ की वृंदा ने क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम में जिला किन्नौर के स्वीप के नोडल अधिकारी कुलदीप नेगी ने छात्रों को स्वीप की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की मतदाता को जागरूक करने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं।

इस दौरान टीएस नेगी राजकीय डिग्री कॉलेज के सहायक प्रोफेसर कमलेश कुमार ने भारत के निर्वाचन प्रणली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान बताया की भारत में चुनाव कैसे आयोजित किये जाते हैं।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा की वोट हम सबका अधिकार है और हमें इसका उपयोग करना चाहिए ताकि हम सही व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि चुन सकें. उन्होंने कहा कि आज का युवा मतदाता जागरूकता अभियान का दूत है जो शत प्रतिशत मतदान का सन्देश लोगों तक पहुंचाते हैं. उन्होंने लोगों से आने वाले विधान सभा चनावों में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

अभियान के अंतिम दिन विभिन्न संस्थानों के छात्रों के साथ स्वीप विषय पर ओपन क्विज भी आयोजित किया गया। साथ ही विभाग के कलाकारों द्वारा किन्नौर के लोक गीत और नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस दौरान डाइट के छात्रों ने मतदाता जागरुकता विषय पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

आबकारी विभाग ने पकड़ी 1187 लीटर अवैध शराब तीन लाइसेंस निलंबित

शिमला/शैल। राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त युनुस ने बताया कि विभाग द्वारा गठित विशेष टास्क फॉर्स द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कारवाई जारी है। प्रदेश के विभिन्न भागों में टीम

द्वारा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दबिश देते हुए राजस्व जिला बद्दी, कांगड़ा, चम्बा, ऊना, मण्डी, हमीरपुर, नूरपुर में कारवाई की गई। इस कारवाई में कुल 1425 बोतलें शराब बरामद की गई। इसके अतिरिक्त 132 लीटर लाहन को भी कब्ज़े में लेकर नष्ट किया है।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रदेश में स्थित सभी लाइसेंस परिसरों का निरीक्षण किया जा रहा है। सभी लाईसेंसियों को आबकारी नियम और उसके अंतर्गत बनाये गए प्रावधानों के अनुसार कार्य करने के निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि नियमों की उल्लंघना के प्रति सख्त रवैया अपनाते हुए विभाग ने मदिरा के थोक विक्रेताओं के तीन (एल–1, एल–13) लाइसेंस निलंबित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि विभाग ने आदर्श चुनाव आचार संहिता के दौरान अभी तक 2,19,325 लीटर अवैध शराब की कब्जे में लेकर नियमानुसार कारवाई अमल में लायी है।

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त ने बताया कि आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अवैध शराब के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यालय स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। प्रदेश में स्थित सभी बॉटलिंग प्लांट, डिस्टिलरी, ब्रेवरी एवं थोक गोदामों पर विभाग नज़र रख रहा है। उन्होंने कहा कि कॉंट्रोल रूम में प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कारवाई की जा रही है। प्रदेश में जिला एवं जोनल स्तर पर स्थापित कॉंट्रोल रूम द्वारा सभी परिसरों की भी निगरानी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अवैध शराब से सम्बंधित शिकायत टोल फ्री नंबर 1800–180–8062, ई–मेल vselection2022 @mailhptax .gov.in या व्हाट्सएप नंबर–9418611339 पर कर सकता है।

पांच साल विकास किया होता तो वर्तमान विधायकों के टिकट न काटने पड़ते:अलका लांबा

शिमला/शैल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता एवं प्रदेश कांग्रेस की मीडिया प्रभारी अलका लांबा ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह इन चुनावों में पूरी तरह अंतर्कलह से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में बगावत के सुर मुखर हो रहें है इसके चलते पार्टी के पदाधिकारी अपने कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी छोड़ रहें है।

राजीव भवन में एक पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अलका लांबा ने भाजपा पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में भारी अंतर है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अंदर परिवारवाद चरम पर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के लिये घोषित प्रत्याशियों की सूची में पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा कि धर्मपुर में जल शक्ति मंत्री के घर टिकट को लेकर द्वंद चल रहा है, वही चम्बा सदर में एक महिला कार्यकर्ता का टिकट काट कर विधायक की पत्नी को दिया गया जो कि एक कर्मठ

महिला कार्यकर्ता का घोर अपमान है।

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा ने अगर गत पांच सालों में विकास किया होता तो उन्हें आज अपने वर्तमान विधायकों के टिकट न काटने पड़ते और अपने मंत्रियों के चुनाव क्षेत्र न बदलने पड़ते। उन्होंने कहा कि यह सब सरकार की विफलताओं को उजागर करता है।

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा हाईकमान का प्रदेश के नेतृत्व से विश्वास उठ चुका है जिस कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को स्वम् यहां बागियों को मनाने के लिये बैठना पड़ रहा है, और कार्यकर्ताओं को अनुशासन के नाम पर डराने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार रिमोट कंट्रोल पर हो और बैटरी कमजोर हो तो वह काम करना बंद कर देती है। जयराम ठाकुर वही कमजोर बैटरी है जिसका रिमोट दिल्ली में रखा है।

अलका लांबा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस एकजुट है और पूरी सहमति के साथ पार्टी प्रत्यशियों का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष पांच प्रत्याशियों को भी जल्द ही घोषित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्टार प्रचारक प्रदेश में चुनावी रैलियों को सम्बोधित करेंगे।

जयराम ठाकुर कांग्रेस के विजयी रथ को नही रोक सकते:विक्रमादित्य सिंह

शिमला/शैल। कांग्रेस महासचिव विधायक विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कांग्रेस के विजयी रथ को नही रोक सकते। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने चार उप चुनावों में भाजपा को करारी हार देकर उनके अहम को तोड़ा था, अब भाजपा की सत्ता से विदाई होनी तय है।

विक्रमादित्य सिंह ने मुख्यमंत्री के उस ब्यान पर जिसमें उन्होंने कहा है कि वह कांग्रेस को सत्ता में नही आने देंगे, पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहें है। उनका यह ब्यान आदर्श आचार संहिता का भी उल्लंघन करता है और चुनाव आयोग को इस ब्यान का कड़ा संज्ञान लेते हुये उन पर कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री सत्ता का दुरुपयोग कर लोगो को डराने का असफल प्रयास कर रहें है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि प्रदेश में भाजपा का तंबू उखड़ने जा रहा है और इसके नेता चुनावी रैलियों में रो रहें है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा को इससे कोई भी लाभ नही होने वाला। लोग भाजपा के घड़याली आंसुओं को भली भांति समझ चुके है। इसके नेताओं ने कभी भी बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी पर अपनी जुबां तक नही खोली।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन बहाल करेगी। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए अपना रोजगार शुरू करने के लिये एक स्टार्टअप योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करेगी।

इंटरनेट के सदुपयोग व दुरुपयोग कि संभावना से सभी को जागरूक होना अति आवश्यक:भूपेन्द्र नेगी

शिमला/शैल। विश्व भर में इंटरनेंट के प्रचार व प्रसार होने के कारण पिछले एक दशक से तकनीकी विकास व प्रचार में भारी बढोतरी हुई है। जो साइबर अपराध को हम किसी सीमा में नही बांध सकते है। अत: साईबर अपराधी किसी भी प्रदेश व देश में बैठ कर साईबर अपराध की घटना को अंजाम दे सकते है। इंटरनेट आज के परिवेश में हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। जिसका सदुपयोग व दुरुपयोग कि संभावना से सभी जनसाधारण को जागरूक होना अति आवश्यक है।

साईबर अपराधी ठगी करने के लिए आजकल नये-नये तरीके अपना रहे है। आजकल देखने में आ रहा है कि साईबर अपराधियो द्वारा विभिन्न लोन(Loan) ऐप बनाई जा रही जिसके द्वारा यह लोगो के साथ धोखाधडी /साईबर ठगी कर रहे है । साईबर अपराधियो द्वारा लोन(Loan) ऐप बनाकर गूगल स्टोर या गूगल पर डाल दिया जाता है। जो कि तुरंत लोन (Loan) देने का लालच देते है। व्यक्ति तुरंत लोन (Loan) पाने के लालच में इन लोन (Loan) देने वाले ऐप्स को इंस्टाल करता है।

डाउनलोडिंग के समय ये ऐप्स यूजर से उसकी गैलरी, कॉन्टैक्ट्स, लोकेशन आदि के एक्सेस की परमिशन मांगते हैं, जो अक्सर यूजर दे देते हैं। कई बार ये ऐप्स यूजर के फोन में बिना उसकी जानकारी के ही थर्ड पार्टी ऐप्स या मालवेयर इंस्टाल कर देते हैं और इसके जरिए यूजर की निजी जानकारियां चुरा लेते हैं। इन जानकारियों का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने में भी होता है। इन एप्स द्वारा तुरंत लोन (Loan) के नाम पर पूरा पैसा भी नहीं दिया जाता बल्कि 60-70% ही यूजर के खाते में ट्रांसफर किया जाता है। मान लीजिए किसी ने 3 हजार रुपए लोन लिए, तो उसे महज 2000-2200 रुपए ही दिए जाएंगे, बाकी के 800-1000 रुपए सर्विस और दूसरे चार्ज के नाम पर काट

लिए जाते हैं। अब लोन लेने वाले को ब्याज समेत 3,000 रुपए लौटाने हैं। इन ऐप्स की ब्याज दर इतनी ज्यादा होती है कि कई बार हफ्ते भर में ही लोन अमाउंट 10000-15000 हजार रुपए तक पहुंच जाता है। फिर यह एप्स लोन लेने वाले को ब्लैकमेल करते है व उनसे पैसे ऐंठते है। इन ऐप्स की खासियत ये है कि ये 2 हजार से 5-7 हजार रुपए के छोटे-छोटे लोन ही देते हैं।

इसके साथ ही आजकल पतंजलि के नाम पर भी साईबर अपराध हो रहा है। व्यक्ति पतंजलि में योग शिविर, आयुर्वेदिक उपचार आदि के लिए गूगल पर सर्च करते है जो कि साईबर अपराधियो द्वारा फेक वेबसाईट आदि बनाई हुई होती है जिस पर साईबर अपराधियो द्वारा अपना मोबाईल न., ई-मेल आई. डी. व फर्जी फार्म बनाया हुआ होता है जिस पर व्यक्ति द्वारा संपर्क करने पर उनसे उपचार के नाम, योग शिविर में रहने के लिए पैसे ऐंठे जाते है।

इसके अतिरिक्त साईबर अपराधी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के नाम का इस्तेमाल करके गर्भवती महिलायों को फोन करके कहते है कि वे Head Office से बात कर रहे है व उन्हे सरकार की तरफ से सरकारी योजना के तहत लगभग 6000रु आने है व उन्हे झांसे में लेकर उनसे उनके बैंक खाता आदि की निजी जानकारी लेकर या QR Code भेजकर उसके खाते से पैसे निकाल दिये जाते है।

साईबर अपराधी आजकल लोगो को फ्राड मैसेज भेज रहे है जैसे कि 'आपका बिजली का बिल नही जमा हुआ है जिसे दिये गये मोबाईल न. पर संपर्क करके भुगतान करे अन्यथा आपकी बिजली का कनैक्शन काट दिया जायेगा 'व' आपका पैन न. आपके बैंक खाते के साथ Linked नहीं है इसे तुरंत दिये गये लिंक से Update करें' इस तरह के मैसेस के उपरांत व्यक्ति द्वारा साईबर अपराधियो द्वारा दिये गये दिशानिर्देश की पालना करने पर व्यक्ति का खाते से पैसे साईबर अपराधियों द्वारा निकाल लिए जाते हैं।

आम जनमानस से अनुरोध है कि लोन (Loan) ऐप्लिकेशन द्वारा दिये जाने वाले प्रलोभनो से बचे व इस तरह कि एप्लिकेशन इंसटाल न करे व एप्लीकेशन को डाउनलोड करते समय एप्लीकेशन द्वारा मागी जाने वाली परमिशन को देख व पढ़ कर ही Accept करे । यह एप्लीकेशन आपके द्वारा डाली गई निजि जानकारी जैसे आधार कार्ड व पेन कार्ड आदि का गलत इस्तेमाल भी कर सकते है इसलिए इन एप्स से बचे तथा पतंजलि के नाम पर बनी फर्जी वैबसाईट व साईबर अपराधियों द्वारा आंगनवाडी, बिजली बिल, बैंक खाता में पैन न. Update करवाने आदि के लिए आये मैसेज आदि से बचे ।

किसी भी साईबर अपराध के घटित होने पर आप तुरन्त अपने नजदीकी पुलिस थाना या साईबर अपराध थाना शिमला में अपनी शिकायत आन-लाईन ई-मेल cybercrcell-hp@nic.in या Toll Free No-1930 पर दर्ज करें।

पोर्टमोर में आयोजित किया गया प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश राज्य रेडक्रॉस अस्पताल कल्याण अनुभाग द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक

पाठशाला पोर्टमोर में प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोशिएसन से प्रशिक्षक प्रवीण महाजन, अस्पताल कल्याण अनुभाग की सदस्यों, शिमला नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं सहित पोर्टमोर स्कूल की छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर अस्पताल कल्याण अनुभाग की मानद सचिव डॉ. किमी सूद ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में लोगों के जीवन को बचाना व तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना है। राज्य रेडक्रॉस के सचिव संजीव कुमार ने कहा कि राज्य रेडक्रॉस द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है तथा प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम भी राज्य रेडक्रॉस की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

प्रवीण महाजन द्वारा प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, जिसमें आकस्मिक दुर्घटना व बीमारी के अवसर पर चिकित्सक के आने तक रोगी को सुरक्षित स्थान पर ले जाने तक, उसके जीवन को बचाने, रोग निवृति में सहायक होने व घाव की दशा और अधिक निष्कृष्ट होने से रोकने के लिए उपयुक्त सहायता कैसे की जा सकती है। इसके अलावा, सीपीआर के बारे में भी बताया गया, जिसके जरिए किसी व्यक्ति की सांस या दिल के रूक जाने पर जान बचाई जा सकती है।

39 स्वास्थ्य संस्थान स्वच्छता संक्रमण नियंत्रण में बेहतर कार्यों के लिए समानित

शिमला/शैल। जिला जैव चिकित्सा अपशिस्ट (बायो मेडिकल वेस्ट) तथा गुणवत्ता आश्वासन की समीक्षा बैठक का आयोजन एडीसी जतिन लाल की अध्यक्षता में जोनल अस्पताल मण्डी में आयोजित की गई। बैठक में जिला के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीएस वर्मा, जिला स्वाथ्य अधिकारी डॉ दिनेश ठाकुर रोग विशेषज्ञ, शल्य विशेषज्ञ, नर्सिंग स्टाफ, जिला मैटरन, गुणवता आश्वासन सलाहाकार डॉ प्रीति ने भाग लिया। इस बैठक में जिला के 39 स्वास्थ्य संस्थानों ने स्वच्छता संक्रमण नियंत्रण अस्पतालों को उचित रख रखाव में बेहतर कार्यो के लिए समानित किया गया। जो कि जिला मण्डी के लिए गर्व की बात है।

बैठक में जतिन लाल ने परिवार नियोजन के असफल दम्पतियों को 60 हजार प्रति केस के हिसाब से अनुदान आवांटित करने की मंजूरी दी। बैठक में बायोवेस्ट निपटारे व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यो पर विभिन्न तरीको और तकनीकों द्वारा कचरा निपटारा करने के लिए विचार विमर्श किया गया तथा भविष्य में ई-बेस्ट तरीके से निपटारा करने पर सहमति बनाई गई। इस अवसर पर साइंटिफिक अधिकारी चमन ठाकुर ने भी अपने विचार रखे।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

कांग्रेस ने टिकट आवंटन में समय लगाकर नियोजित विद्रोह को आकार लेने से पहले ही दफन कर दिया

शिमला/शैल। कांग्रेस ने हमीरपुर से पूर्व मंत्री रणजीत सिंह वर्मा के बेटे डॉ. पुष्पेन्द्र वर्मा को उम्मीदवार बनाने का फैसला लेकर सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। कांग्रेस में भी टिकट आवंटन को लेकर कुछ स्थानों पर रोष और विद्रोह उभरा है इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन भाजपा के मुकाबले यह नगण्य है। कांग्रेस में टिकटों को लेकर सबसे ज्यादा सुखविंदर सिंह का मिजाज बहुत कड़ा रहा है। क्योंकि संयोगवश सुखविंदर सुक्खु ही इस समय कांग्रेस में ऐसे नेता हैं जो छः वर्ष तक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और इस नाते व्यवहारिक रूप से कार्यकर्ताओं और नेताओं को लेकर ज्यादा जानकारी रखते हैं। इसी कारण से उन्हें प्रचार कमेटी का अध्यक्ष भी बनाया गया है। कुछ लोग अभी से उन्हें मुख्यमंत्री के संभावित चेहरे के रूप में भी चर्चित करने लग पड़े हैं। जबकि मुख्यमंत्री का प्रश्न चुनाव परिणाम आने के बाद विधायकों की सर्व राय से हल होगा यह तय है। इस समय प्रतिभा सिंह पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष हैं और पार्टी उम्मीदवार तय करने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही है। स्व.वीरभद्र सिंह की राजनीतिक विरासत वह तभी संभाल रही हैं जब प्रदेश की राजनीति का सबसे अधिक व्यवहारिक ज्ञान उनके पास है। लेकिन बीते पांच वर्षों में पार्टी को सदन के भीतर जिस तरह से प्रभावी बनाये रखा है उसमें मुकेश अग्निहोत्री

भाजपा में उभरी बगावत कांग्रेस का हथियार बनी

का योगदान सबसे अधिक रहा है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ

कितनी बार किस तरह के सीधे टकराव में आ चुके हैं यह पूरा प्रदेश जानता है। इस तरह कांग्रेस के मुख्यमंत्री बनने की क्षमता रखने वाले नेताओं की एक लंबी सूची है।

2014 से आज 2022 तक कांग्रेस जिस दौर से गुजरी है उसमें ईडी, आयकर और सीबीआई के डर से सैकड़ों नेता पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो चुके हैं। आज चुनाव घोषित होने के बाद भी दो विधायक पार्टी छोड़ भाजपा में चले गये। हर्ष महाजन और मनकोटिया जैसे लोग भाजपा में चले गये हैं। इन लोगों का कांग्रेस पर सबसे बड़ा आरोप परिवारवाद का होता था लेकिन अब जब हिमाचल में ही भाजपा ने परिवारवाद की नयी इबारत लिख दी है तो स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस छोड़ने के पीछे कोई वैचारिक कारण नहीं बल्कि कुछ व्यक्तिगत स्वार्थ और डर प्रभावी रहे हैं। मनकोटिया ने जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ बाकायदा पत्रकार वार्ता करके हमला बोला था भाजपा ने उसी को दोबारा उम्मीदवार बनाकर मनकोटिया को अपरोक्ष में जवाब दे दिया है। लेकिन इस पीढ़ी के नेता अपने वैचारिक धरातल शायद अब भी तर्क की कसौटी पर परखने का प्रयास तक करने के लिए तैयार नहीं हैं। जो छद्म ताना-बाना 2014 में गुंधा गया था अब 2022 तक उसको परोस्ते-परोस्ते उबकाई जैसी हालत हो गयी है। लगातार कमजोर होती अर्थव्यवस्था ने महंगाई और बेरोजगारी के जो जख्म आम आदमी को दिये हैं उससे अब हर आदमी ड्रोन से आलू ढोने का ज्ञान परोसा जाना अपने को मूर्ख बनाने का प्रयास मान चुका है। इस परिदृश्य में आज प्रदेश में जो भी कांग्रेस का नेतृत्व और कार्यकर्ता बचा हुआ है वह सराहना का पात्र बन जाता है। क्योंकि यह सबने देखा है कि मुख्यमंत्री ने किस तर्ज में यह कहा था कि कांग्रेस को चुनाव लड़ने लायक ही नहीं रहने दिया जायेगा। जब नेता प्रतिपक्ष के साथ मंच का हादसा हुआ तब मुख्यमंत्री ने फोन पर जो कुशल क्षेम पूछने का शिष्टाचार निभाया उसकी गंभीरता को उसी क्षण ट्वीट करके हल्का भी बना दिया।

आज प्रदेश की राजनीति व्यवहारिकता के इस स्टेज पर आकर खड़ी हो गयी है की सत्ता के जिस मद में कल तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था उसे आज अपनों की ही बगावत ने पूरी तरह काफुर कर दिया है। आज भाजपा की बगावत ही कांग्रेस का एक बड़ा हथियार बन गयी है। क्योंकि आने वाले दिनों में सवाल तो सत्ता पक्ष से ही पूछे जायेंगे विपक्षी से यह सवाल नहीं पूछा जायेगा कि उसने आज तक सरकार के खिलाफ कोई भी आरोपपत्र जारी क्यों नहीं किया। कांग्रेस ने टिकट आवंटन में जिस सूझबूझ का परिचय दिया है वहीं भाजपा की कमजोरी सिद्ध हो गयी है। क्योंकि यह माना जा रहा है कि शायद हर्ष महाजन कांग्रेस के हर उम्मीदवार के खिलाफ विद्रोही उम्मीदवार खड़ा करने के रणनीति पर काम कर रहे हैं। क्योंकि हर्ष महाजन लम्बे समय तक कांग्रेस में रहे हैं और स्व. वीरभद्र के विश्वासपात्र रहे हैं। जब वह पहली बार ही मंत्री बनकर विवादित हो गये थे और पोस्टर तक लगने की नौबत आ गयी थी उसके बाद उन्होंने चुनावी राजनीति से किनारा कर लिया था। आज भाजपा में शामिल होने के बाद भी हर्ष महाजन ने चुनाव नहीं लड़ा है। लेकिन राजनीति के माध्यम से व्यापारिक हितों की रक्षा कैसे की जाती है और हितों को कैसे बढ़ाया जाता है वह बहुत अच्छी तरह जानते हैं। वीरभद्र जब केंद्रीय मंत्री थे तब स्क्रैप के कारोबार में उन्होंने अपने इस अनुभव का सफल परिचय दिया। यदि आज भाजपा में आकर वह कांग्रेस को अन्दर से नुकसान पहुंचाने में सफल हो पाते हैं तभी उनकी वहां पर स्वीकार्यता बन पायेगी। कांग्रेस ने इस संभावित नुकसान की आशंका को टिकट आवंटन में ही समय लगाकर काफी कम कर लिया है।

प्रदेश में आकार लेने से

............पृष्ठ 1 का शेष

गयी है। हिमाचल में करीब डेढ़ सौ कार्यकर्ता दिल्ली से आकर प्रदेश का संचालन कर रहे थे। शायद यह सारे लोग भारी भरकम पेड़ कार्यकर्ता था। दिल्ली की इस टीम की कार्यप्रणाली कुछ इस तरीके की रही जिससे यह लगा कि किसी कॉरपोरेट संस्था के प्रदेश में विस्तार से पहले कोई सर्वे करवाया जा रहा हो।

इसी परिदृश्य में सत्येंद्र जैन की जिम्मेदारी मनीष सिसोदिया ने संभाली। मनीष सिसोदिया ने दिल्ली की टीम की राय पर प्रदेश की नयी कार्यकारिणी का सुरजीत ठाकुर की अध्यक्षता में गठन कर दिया। अब 2014 में आप से कांगड़ा लोक सभा सीट का चुनाव लड़ चुके डॉ. राजन सुशांत फिर आप में शामिल हो गये। 2014 से 2022 तक आप के कितने लोग अध्यक्ष बने और हटे यह एक लंबी सूची बन जायेगी। बल्कि अभी 2022 में ही कितने लोग शामिल हुए छोड़ कर चले गये तो यह एक लंबी लाइन हो जायेगी। लेकिन अब तक स्थानीय नेतृत्व को प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाने का कोई विशेष प्रोत्साहन नहीं दिया गया है। अभी तो राज्य प्रवक्ता गौरव शर्मा राजधानी में ईमानदारी से पार्टी का झंडा उठाकर पार्टी की पहचान बढ़ाने के प्रयास कर रहा था उसे चुनाव में टिकट न देकर पार्टी छोड़ने और निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिये बाध्य होना पड़ा है। गौरव शर्मा ने नेतृत्व पर पैसे लेकर टिकट बांटने का आरोप लगाया है। गौरव की तरह और भी करीब एक दर्जन क्षेत्रों में इस तरह का खेल देखने को मिला है जिससे स्पष्ट हो जाता है कि पाटह प्रदेश में आकार लेने से पहले ही बिखर चुकी है।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि हिमाचल को लेकर आप का केंद्रीय नेतृत्व गंभीर क्यों नहीं है। हिमाचल में सत्ता अब तक भाजपा और कांग्रेस में ही बंटती आयी है। किसी भी तीसरे दल का प्रदेश में स्थापित होना इन दोनों के लिये नुकसान देह होगा। आप अन्ना आंदोलन का प्रतिफल है और नरेंद्र मोदी भी। इसलिये जहां आप के स्थापित होने से पहला खतरा भाजपा को होने का एहसास हो जायेगा वहीं पर आप अपने पांव पीछे खींच लेगा और यही हिमाचल में हो रहा है।

टिकट आवंटन पर

.................पृष्ठ 1 का शेष

न रही हो लेकिन पार्टी के बड़े पदाधिकारियों और विधायकों को अवश्य रही है। बल्कि बहुत सारे तो इस जानकारी के आधार पर टिकट पाने और बचाने में सफल हुये हैं। इस सरकार के नाम सबसे अधिक कर्ज लेने का तमगा लगना इसी लज्जरी भाव का परिणाम है। सरकार की पांच वर्ष की कारगुजारी क्या रही है उस पर तो चर्चाएं चुनाव प्रचार के दौरान आयेंगी। लेकिन अभी तक आपस में स्कोर सैटल करने में जो शीत युद्ध चल रहा था वह अब टिकट आवंटन में धूमल परिवार को सफलतापूर्वक हाशिये पर धकेल दिये जाने से एक मोड़ तक पहुंचा दिया गया है। क्योंकि जब यह सामने आया कि 2017 के चुनाव में धूमल और उनके समर्थकों को योजनाबद्ध तरीके से बाहर किया गया था तब यह चर्चा उठी कि धूमल को अपना राजनीतिक मान सम्मान बहाल करने के लिये एक बार चुनाव में आना ही चाहिये। धूमल के भी इस आशय के कुछ ब्यान आये। राज्यसभा सांसद इन्दु गोस्वामी ने सुजानपुर में इस मन्तव्य को सार्वजनिक भी कर दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं में यह संदेश भी चला गया लेकिन टिकट आवंटन में धूमल परिवार को पूरे व्यवहारिक रूप से हाशिये पर धकेल दिये जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी की हार की चिंता से धूमल को राजनीति से बाहर करना इस समय नेतृत्व की प्राथमिकता बन गयी थी जिसमें नड्डा जयराम सफल रहे हैं।